केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार की चतुर्वार्षिक समीक्षा टीम (QRT) ने किया संस्थान के विभिन्न विभागों का भ्रमण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद– केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार की चतुर्वार्षिक समीक्षा टीम (QRT) ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), इज्जतनगर के राष्ट्रीय भैंस प्रजनन एवं सुधार (NPBI) केन्द्र तथा संस्थान के विभिन्न विभागों का भ्रमण संस्थान की गतिविधियों को देखा।

इस अवसर पर टीम का नेतृत्व कर्नाटक पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (KVAFSU) के पूर्व कुलपति तथा पूर्व पशुपालन आयुक्त प्रो. (डॉ.) एस.एस. होन्नप्पागोल ने किया। उनके साथ डॉ. बी.पी. मिश्रा (पूर्व निदेशक, एनबीएजीआर करनाल एवं पूर्व संयुक्त निदेशक, आईवीआरआई), डॉ. एस.एम. देब (पूर्व निदेशक, एनआरसी ऑन याक, दिरांग), डॉ. एस. रामकुमार (सेवानिवृत्त डीन एवं प्रोफेसर, राजीव गांधी पशु चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (RIVER) पांडिचेरी), डॉ. के.एस. रामचन्द्रन (सेवानिवृत्त प्रिंसिपल साइंटिस्ट, एनआईएएनपी, बेंगलुरु), डॉ. टी.के. मोहंती (सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक), एनडीआरआई, करनाल), श्री तथा डॉ. नवनीत सक्सेना (आईसीएआर–सीआईआरबी, हिसार) भी शामिल रहे। टीम में सीआईआरबी एनपीबीआई केन्द्र के डॉ. सुजॉय धारा, डॉ. आर.के. शर्मा एवं डॉ. जेरोम अंडोनिस्सामी भी शामिल थे। दो दिवसीय दौरे के दौरान QRT की टीम ने गत पाँच वर्षों

2020-25 की अवधि में आईवीआरआई एनपीबीआई केन्द्र द्वारा भैंस प्रजनन एवं आनुवंशिक सुधार से संबंधित शोध एवं प्रशिक्षण किए गए कार्यों की समीक्षा की।

इस अवसर पर टीम ने संस्थान के गाय एवं भैंस फार्म, डेयरी टेक्नोलॉजी, जर्म प्लाज्म केंद्र रेफरल वेटनरी पॉलीक्लीनिक, एटिक तथा संस्थान के संग्रहालय का भ्रमण किया।

यह दौरा भैंस प्रजनन एवं आनुवंशिक सुधार के क्षेत्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों को और अधिक सशक्त एवं उपयोगी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

MINISTRY OF
AGRICULTURE AND
FARMERS WELFARE
Startups Portfolio of IVRI R-ABI (2019-2024)
ICAR
IVRI
FOCUS AREA INDICATES
Integrated Livestock Farming/ Organic AH
Veterinary Extension Services/ ICT
Animal Feed Industry/ Feed Technology